

Jude

¹ Greetings from Jude, a servant of Jesus Christ and a brother of James.

To those who have been chosen and are loved by God the Father and have been kept safe in Jesus Christ.

² Mercy, peace, and love be yours more and more.

God Will Punish Those Who Do Wrong

³ Dear friends, I wanted very much to write to you about the salvation we all share together. But I felt the need to write to you about something else: I want to encourage you to fight hard for the faith that God gave his holy people. God gave this faith once, and it is good for all time. ⁴ Some people have secretly entered your group. These people have already been judged guilty for what they are doing. Long ago the prophets wrote about them. They are against God. They have used the grace of our God in the wrong way—to do sinful things. They refuse to follow Jesus Christ, our only Master and Lord.

⁵ I want to help you remember some things you already know: Remember that the Lord* saved his people by bringing them out of the land of Egypt. But later he destroyed all those who did not believe. ⁶ And remember the angels who lost their authority to rule. They left their proper home. So the Lord has kept them in darkness, bound with everlasting chains, to be judged on the great day. ⁷ Also, remember the cities of Sodom and Gomorrah and the other towns around them. Like those angels they were full of sexual sin and involved themselves in sexual relations that are wrong. And they suffer the punishment of eternal fire, an example for us to see.

1:5 the Lord Some of the oldest and best Greek manuscripts of Jude have “Jesus” here. If “Jesus” is accepted as the original reading, it should replace “the Lord” in verse 6 as well.

यहूदा

¹ यीशु मसीह के सेवक और याकूब के भाई यहूदा की ओर से तुम लोगों के नाम जो परमेश्वर के प्रिय तथा यीशु मसीह के लिए सुरक्षित तथा परमेश्वर द्वारा बुलाए गए हैं।

² तुम्हें दया, शांति और प्रेम बहुतायत से प्राप्त होता रहे।

पापी दण्ड पायेंगे

³ प्रिय मित्रों, यद्यपि मैं बहुत चाहता था कि तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखूँ, जिसके हम भागीदार हैं। मैंने तुम्हें लिखने की और तुम्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता अनुभव की ताकि तुम उस विश्वास के लिए संघर्ष करते रहो जिसे परमेश्वर ने संत जनों को सदा-सदा के लिए दे दिया है। ⁴ क्योंकि हमारे समूह में कुछ लोग चोरी से आ घुसे हैं। इन लोगों के दण्ड के विषय में शास्त्रों ने बहुत पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। ये लोग परमेश्वर विहीन हैं। इन लोगों ने परमेश्वर के अनुग्रह को भोग-विलास का एक बहाना बना डाला है तथा ये हमारे प्रभु तथा एकमात्र स्वामी यीशु मसीह को नहीं मानते।

⁵ मैं तुम्हें स्मरण कराना चाहता हूँ (यद्यपि तुम तो इन सब बातों को जानते ही हो) कि जिस प्रभु* ने पहले अपने लोगों को मिस्र की धरती से बचाकर निकाल लिया था, बाद में जिन्होंने विश्वास को नकार दिया, उन्हें किस प्रकार नष्ट कर दिया गया। ⁶ मैं तुम्हें यह भी याद दिलाना चाहता हूँ कि जो दूत अपनी प्रभु सत्ता को बनाए नहीं रख सके, बल्कि जिन्होंने अपने निजी निवास को उस भीषण दिन के न्याय के लिए अंधकार में जो सदा के लिए हैं बन्धनों में रखा है। ⁷ इसी प्रकार मैं तुम्हें यह भी याद दिलाना चाहता हूँ कि सदोम और अमोरा तथा आस-पास के नगरों ने इन दूतों के समान ही यौन अनाचार किया तथा अप्राकृतिक यौन सम्बन्धों के

1:5 प्रभु कुछ सब से पुराने और सर्वोत्तम यूनानी यहूदा प्रतियों में यहाँ “यीशु” है। यदि “यीशु” यहाँ मूल रूप से मान्य है तो पद 6 में भी “प्रभु” को जगह “यीशु” होना चाहिए।

⁸ It is the same way with these people who have entered your group. They are guided by dreams. They make themselves dirty with sin. They reject God's authority and say bad things against the glorious ones. ⁹ Not even the archangel Michael did this. Michael argued with the devil about who would have the body of Moses. But Michael did not dare to condemn even the devil for his false accusations. Instead, Michael said, "The Lord punish you!"

¹⁰ But these people criticize things they don't understand. They do understand some things. But they understand these things not by thinking, but by feeling, the way dumb animals understand things. And these are the things that destroy them. ¹¹ It will be bad for them. They have followed the way that Cain went. To make money, they have given themselves to following the wrong way that Balaam went. They have fought against God like Korah did. And like Korah, they will be destroyed.

¹² These people are like dirty spots among you—they bring shame to you in the special meals you share together. They eat with you and have no fear. They take care of only themselves. They are like clouds without rain. The wind blows them around. They are like trees that have no fruit at harvest time and are pulled out of the ground. So they are twice dead. ¹³ Like the dirty foam on the wild waves in the sea, everyone can see the shameful things they do. They are like stars that wander in the sky. A place in the blackest darkness has been kept for them forever.

¹⁴ Enoch, the seventh descendant from Adam, said this about these people: "Look, the Lord is coming with thousands and thousands of his holy angels ¹⁵ to judge everyone. He will punish all those who are against him for all the evil they have done in their lack of respect for him. Yes, the Lord will punish all these sinners who don't honor him. He will punish them for all the evil things they have said against him."

पीछे दौड़ते रहे। उन्हें कभी नहीं बुझने वाली अग्नि में झोंक देने का दण्ड दिया गया। वे हमारे लिए उदाहरण के रूप में स्थित हैं।

⁸ठीक इसी प्रकार हमारे समूह में घुस आने वाले ये लोग अपने स्वप्नों के पीछे दौड़ते हुए अपने शरीरों को विकृत कर रहे हैं। ये प्रभु के सामर्थ्य को उठाकर ताक पर रख छोड़ते हैं तथा महिमावान् स्वर्गदूतों के विरोध में बोलते हैं। ⁹प्रमुख स्वर्गदूत माकाईल जब शैतान के साथ विवाद करते हुए मूसा के शव के बारे में बहस कर रहा था तो वह उसके विरुद्ध अपमानजनक आक्षेपों के प्रयोग का साहस नहीं कर सका। उसने मात्र इतना कहा, "प्रभु तुझे डॉटे-फटकारे।"

¹⁰किन्तु ये लोग तो उन बातों की आलोचना करते हैं, जिन्हें ये समझते ही नहीं और ये लोग बुद्धिहीन पशुओं के समान जिन बातों से सहज रूप से परिचित हैं, वे बातें वे ही हैं जिनसे उनका नाश होने का है। ¹¹उन लोगों के लिए यह बहुत बुरा है कि उन्होंने कैन का सा वही मार्ग चुना। धन कमाने के लिए उन्होंने अपने आपको वैसे ही गलती के हवाले कर दिया जैसे बिलाम ने किया था। सो वे ही नष्ट हो जायेंगे जैसे कोरह के विद्रोह में भाग लेने वाले नष्ट कर दिए गए थे।

¹²ये लोग तुम्हारे प्रीति-भोजों में उन छुपी हुई चट्टानों के समान हैं जो घातक हैं। ये लोग निर्भयता के साथ तुम्हारे संग खाते-पीते हैं किन्तु उन्हें केवल अपने स्वार्थ की ही चिन्ता रहती है। वे बिना जल के बादल हैं। वे पतझड़ के ऐसे पेड़ हैं जिन पर फल नहीं होता। वे दोहरे मरे हुए हैं। उन्हें उखाड़ा जा चुका है। ¹³वे समुद्र की ऐसी भयानक लहरें हैं, जो अपने लज्जापूर्ण कार्यों का झाग उगलती रहती हैं। वे इधर-उधर भटकते ऐसे तारे हैं जिनके लिए अनन्त गहन अंधकार सुनिश्चित कर दिया गया है।

¹⁴आदम से सातवीं पीढ़ी के हनोक ने भी इन लोगों के लिए इन शब्दों में भविष्यवाणी की थी: "देखो वह प्रभु अपने हज़ारों-हज़ार स्वर्गदूतों के साथ ¹⁵सब लोगों का न्याय करने के लिए आ रहा है। ताकि लोगों ने जो बुरे काम किए हैं, उन्हें उनके लिए और उन्होंने जो परमेश्वर के विरुद्ध बुरे वचन बोले हैं, उनके लिए दण्ड दे।"

¹⁶These people always complain and find wrong in others. They always do the evil things they want to do. They boast about themselves. The only reason they say good things about others is to get what they want.

A Warning and Things to Do

¹⁷Dear friends, remember what the apostles of our Lord Jesus Christ said would happen. ¹⁸They told you, "In the last times there will be people who laugh at God and do only what they want to do—things that are against God." ¹⁹These are the people who divide you. They are not spiritual, because they don't have the Spirit.

²⁰But you, dear friends, use your most holy faith to build yourselves up even stronger. Pray with the help of the Holy Spirit. ²¹Keep yourselves safe in God's love, as you wait for the Lord Jesus Christ in his mercy to give you eternal life.

²²Help those who have doubts. ²³Rescue those who are living in danger of hell's fire. There are others you should treat with mercy, but be very careful that their filthy lives don't rub off on you.

Praise God

²⁴God is strong and can keep you from falling. He can bring you before his glory without any wrong in you and give you great joy. ²⁵He is the only God, the one who saves us. To him be glory, greatness, power, and authority through Jesus Christ our Lord for all time past, now, and forever. Amen.

¹⁶ये लोग चुगलखोर हैं और दोष ढूँढने वाले हैं। ये अपनी इच्छाओं के दास हैं तथा अपने मुँह से अहंकारपूर्ण बातें बोलते हैं। अपने लाभ के लिए ये दूसरों की चापलूसी करते हैं।

जतन करते रहने के लिए चेतावनी

¹⁷किन्तु प्यारे मित्रों, उन शब्दों को याद रखो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरितों द्वारा पहले ही कहे जा चुके हैं। ¹⁸वे तुमसे कहा करते थे कि "अंत समय में ऐसे लोग होंगे जो परमेश्वर से जो कुछ संबंधित होगा उसकी हँसी उड़ाया करेंगे।" तथा वे अपवित्र इच्छाओं के पीछे-पीछे चला करेंगे। ¹⁹ये लोग वे ही हैं जो फूट डलवाते हैं।

²⁰ये लोग अपनी प्राकृतिक इच्छाओं के दास हैं। इनके आत्मा नहीं हैं। किन्तु प्रिय मित्रों तुम एक दूसरे को आध्यात्मिक रूप से अपने अति पवित्र विश्वास में सुदृढ़ करते रहो। पवित्र आत्मा के साथ प्रार्थना करो। ²¹हमारे प्रभु यीशु मसीह की करुणा की बाट जोहते हुए जो तुम्हें अनन्त जीवन तक ले जाएगी परमेश्वर की भक्ति में लीन रहो।

²²जो डाँवाँडोल हैं उन पर दया करो। ²³दूसरों को आगे बढ़कर आग में से निकाल लो। किन्तु दया दिखाने समय सावधान रहो तथा उनके उन वस्त्रों तक से घृणा करो जिन पर उनके पापपूर्ण स्वभाव के धब्बे लगे हुए हैं।

परमेश्वर की स्तुति

²⁴अब उसके प्रति जो तुम्हें गिरने से बचा सकता है तथा उसकी महिमापूर्ण उपस्थिति में तुम्हें महान आनन्द के साथ निर्दोष करके प्रस्तुत कर सकता है। ²⁵हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमारे उद्धारकर्ता उस एकमात्र परमेश्वर की महिमा, वैभव, पराक्रम और अधिकार सदा-सदा से अब तक और युग-युगांतर तक बने रहें। आमीन।